हाल-ए-दिल किसको सुनाए

हाल-ए-दिल किसको सुनाए आपके होते हुए,
क्यों किसी के दर पर जाएं आपके होते हुए,
हाल-ए-दिल किसको सुनाए...

अपना जीना अपना मरना बस तेरी चौखट पर है,
अब कहां सर को झुकाए आपके होते हुए,
हाल-ए-दिल किसको सुनाए.....

मैं हूं दासी श्यामा जू की बस यही पहचान है,
अब कहां मोहे गम सताए आपके होते हुए,
हाल-ए-दिल किसको सुनाए.....

मैं यह कैसे मान जाऊं लाडो के दरबार में,
छीन ले कोई मेरी अदाएं आपके होते हुए,
हाल-ए-दिल किसको सुनाए.....

सारी दुनिया छोड़ कर तेरी शरण में आ गई,
अब कहां सरकार जाएं आपके होते हुए,
हाल-ए-दिल किसको सुनाए.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/25414/title/haal-eh-dil-kisko-sunaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |